शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

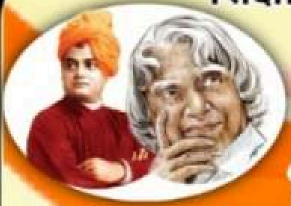

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

# 2401 से 2500

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

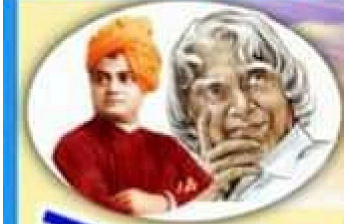

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन 2401

दिनांक 04.08.2021 दिन बुधवार

## संचारी रोग

संचारी रोगों से सावधान रहना,
साफ-सफाई घर-बाहर रखना।
कूड़ा-कचरा कूड़ेदान में ड़ालना,
मक्खी-मच्छरों से भी बचकर रहना।।

मक्खी तो फैलाती हैं ड़ायरिया,
मच्छर से ड़ेगू, और होता मलेरिया।
संक्रमण शारीरिक द्रव्यों से भी फैलता,
दूषित-भोजन, गन्दगी, खाँसने से बढ़ता।।

सावधानियाँ बरतना है जरुरी,
नहीं तो रोग बन जाएँगे मजबूरी।
संक्रमित व्यक्ति से सहानुभूति रखना,
दूर रहकर उसका काम सारा करना।।

समय पर दवाई, भोजन उसे देना,
संक्रमित का बचा भोज्य मत खा लेना।
हाथ, मुँह धोकर ही कुछ तुम खाना,
कोई तकलीफ हो तो तुरन्त बताना।।


रचयिता- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा


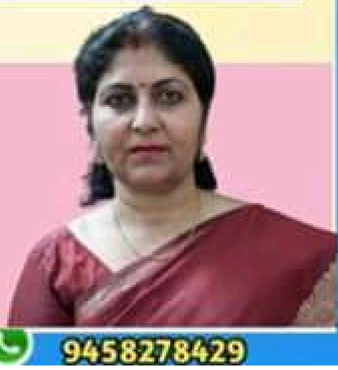

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन 2402

दिनांक दिन
बुधवार 04.08.2021

## बरसात

सूरज नील गगन में देखो,
बादल में छुप कर आया,
धरा ने भी हरी चुनरी में,
मुस्कुरा कर मुँह छुपाया।।

पायल की घुँघरू बोले,
नारी ने धान लगाया।
कल-कल पानी चलता हैं,
मक्का,ज्वार इठलाया।।

आँख मिचौली खेले चंचला,
गरज-गरज घन भी आया।
टर्र-टर्र दादुर भी बोले,
पपीहे ने शोर मचाया।।

त्यौहार का मौसम आया,
सजनी ने रूप सजाया।
झूले डल गये बागों में,
जन्माष्टमी का व्रत आया।।

रचना
ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट वि० खाता
वि० क्षेत्र- मवाना,मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2403

दिनांक 04/08/2021 दिन बुधवार

# सावन

वसुधा का करने श्रृंगार,
देखो सावन आया है।
हरी धरा, नभ इन्द्रधनुष,
चहुँ ओर रंग बिखराया है।।

रिमझिम गिरी फुहारों से,
सबका मन हर्षाया है।
बागों में कलियाँ चहकी,
पत्ता-पत्ता इठलाया है।।

बागों में पड़ गए झूले,
मेरा मन ललचाया है।
तैरूँ हवा में संग झूले के,
फिर बचपन याद आया है।।

ओढ़ धरा ने धानी चूनर,
कोई गीत गुनगुनाया है।
मनभावन सावन बारिश में,
उम्मीदें संग लाया है।।

रचना-
अनुपमा यादव(स०अ०)
प्रा०वि०जिरसमी प्रथम,
शीतलपुर, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2404

दिनांक 04/08/2021 दिन बुधवार

## जन्मदिन

जीवन का एक दिन है ऐसा,
जब हम सब लेते हैं जन्म।
दर्शन मिलते मात-पिता के,
जिससे हम सब हो जाते धन्य।।

रोने की किलकारी से,
इस दिन माँ थी मुस्काई।
इसी दिन पापा ने हमको,
चीजें खूब थी दिलायी।।

इसी दिन दादी ने हमको,
गले से था लगाया।
इसी दिन नानी ने हमको,
कहानी बहुत सुनाया।।

अब आखिर में दोस्तों के बिन,
कटता कभी नहीं ये दिन।
केक काटकर इसे मनाते,
नाम है इसका जन्मदिन।।

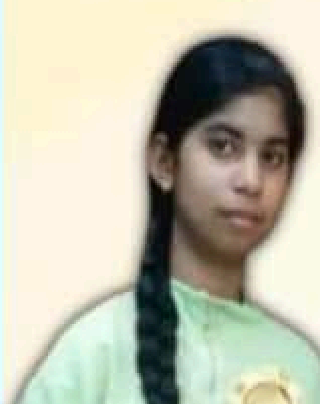

रचना-
अनुष्का गुप्ता (छात्रा)
कक्षा- 8
वि० नि० म० प० स्कूल बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2405

दिनांक 04.08.2021 दिन बुधवार

## जब जाते थे स्कूल

जब हम सब हर रोज जाते थे स्कूल,
तब रहते थे हर दिन सब कूल-कूल।
रोज नित हम नया-नया ज्ञान पाते थे,
कभी पढ़ते, कभी खेलकूद करते थे।।

हर तरफ बदलाव कुछ यूँ है आया,
महामारी ने घर में सबको बैठाया।
घर बैठे-बैठे साल दो कैसे हैं बीते,
स्कूल की यादों में सब साथी हैं जीते।।

बातें गुरुओं की याद सभी को आयी,
सीख वही जीवन में हमने अपनायी।।

रचना-
कुमारी खुशी (छात्रा)
कक्षा-3
रा० प्रा० वि० नीलकण्ठ
वि० ख०- यमकेश्वर
जनपद- पौड़ी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2406

दिनांक 04/08/2021 दिन बुधवार

## गुरु

कंटक बीच पुष्प चुन-चुन कर,
कली को पुष्प बना महकाता।
पत्थर को घिस-घिस कर अमूल्य,
पारस सा कीमती बनाता।।

नये-नये साज सजाकर,
सुर-ताल सुरम्य बजाता।
पथ प्रदर्शक बन बालक का,
समाज में सफलता दिलवाता।।

गुरु शिष्य का भाग्य विधाता,
शिक्षा दे ज्ञानवान बनाता।
कच्ची मिट्टी को गढ़-गढ़ कर,
भाँति-भाँति की मूर्ति बनाता।।

नवआकार में गढ़-गढ़ कर,
सुन्दर साकार रूप सजाता।
ज्ञान रूपी बीज बो कर,
देख-रेख कर वृक्ष बनाता।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
क० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2407

दिनांक 04.08.2021

दिन बुधवार

## सावन आया रे

सावन आया, सावन आया,
देखो सावन आया रे।
बारिश की रिमझिम ने देखो,
धरती को महकाया रे।।

बागों में रंगत है छायी,
बूँदों की है पड़ी फुहार।
कोयल कूके गाये पपीहा,
गीत सुहाने गाये मल्हार।।

बागों में पड़ गये हैं झूले,
वो देखो नदिया के पार।
सखियों संग झूलें बालाएँ,
आया कजली तीज त्यौहार।।

घेवर, रबड़ी, गुझिया, राखी से,
हमने त्योहार मनाया रे।
सावन आया सावन आया,
देखो सावन आया रे।।


रचना
रविन्द्र कुमार सिरोही
(ए०आर०पी०)
बड़ौत, बागपत


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2408

दिनांक 04-08-2021 दिन बुधवार

**ऐसा क्यों ?**

# जन्मदाता

जिन्होंने सहारा दिया हमें,
उनका सहारा नहीं बनते हम।
जिन्होंने हमें नये शब्द दिए,
उनसे अब नहीं बोलते हम।।

जिन्होंने सब कुछ समझा हमें,
उनको कुछ नहीं समझते हम।
जो आज भी बहुत चाहते हैं हमें,
उनको देखना नहीं चाहते हम।।

जिन्होंने अपनी नींद दी हमें,
उन्हें चैन से सोने नहीं देते हम।
जिन्होंने हमारी हर बात मानी,
उनकी कोई बात नहीं मानते हम।।

जिन्होंने हमें सिर्फ खुशियाँ दी,
उनकी खुशी नहीं जानते हम।
जिन्होंने साथ दिया हर पल हमारा,
उनके साथ नहीं रहना चाहते हम।

जिन्होंने पूरी की हमारी हर इच्छा,
उनकी जरुरत नहीं जानते हम।
कभी होगी यही स्थिति हमारी भी,
इस परिस्थिति को नहीं मानते हम।।

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० परसू
सहार, औरैया

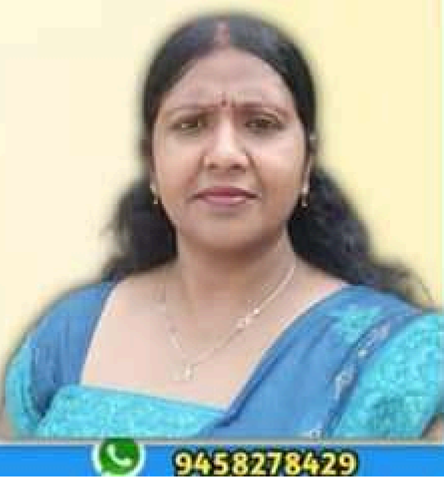

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि 2409

दिनांक 04-08-2021 दिन बुधवार

# वो एक नाम अनेक

> बिनु पग चलै सुनै बिनु काना,
> कर बिन कर्म करै विधि नाना।

रामायण में आया है,
ईश्वर की ही ये सब माया है।।

कोई जगह न उससे खाली है,
करता वो सबकी रखवाली है।
कुछ छिपा नहीं है उससे,
कहता पत्ता, डाली-डाली है।।

अनेक नाम हैं उसके,
जो चाहें जैसे भजते।
पर वे ही हैं उसको प्यारे,
जो दिल साफ हैं रखते।।

हम सब हैं बालक उसके,
कहीं भेदभाव नहीं है।
रहें फिर प्रेमभाव से,
जिन्दगी हमेशा रही नहीं है।।

रचना

प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि०-वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2410

दिनांक 04/08/2021 दिन बुधवार

## पर्यावरण जीवन का स्तम्भ

पर्यावरण है जीवन का आधार,
इसके बिना सब है निराधार।
पेड़ों को कटने से बचाना है,
धरा को सुन्दर बनाना है।।

जल, वायु है इसके रूप,
मत करो प्रदूषण से इसे कुरूप।
जल वायु है जीवन की धार,
क्यों करते हो इसको बेकार।।

वन है धरा का प्रकृति स्तम्भ,
जिस पर है हम सबको दम्भ।
पशु पक्षियों को यह देते स्थान,
इनका तुम ना करो नुकसान।।

आओ मिलकर हम प्रण करें,
प्रगति जीवन को सुलभ बनाएँगे।
प्रकृति के तत्वों को संरक्षित करके,
अपना कर्तव्य हम अब निभाएँगे।।

रचना- इला सिंह (स०अ०)
उच्च प्रा०वि० पनेरुवा
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

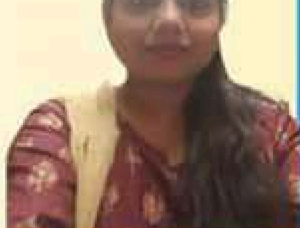

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

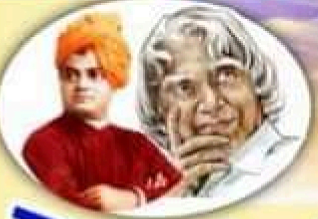

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2411

दिनांक 05-08-21 दिन गुरुवार

# शिव धाम

चहुँ दिशा है जिनका वास,
कहे जाते अर्धनारीश्वर।
जटाधारी कैलाशी हैं वो,
उज्जयिनी के महाकालेश्वर।।

काशी में तुम विश्वनाथ,
सौराष्ट्र में प्रभु सोमनाथ।
ऊँचे पर्वत वास तुम्हारा,
हिमालय में केदारनाथ।।

दारुक वन में नागेश्वर,
गोमती तट त्रयम्बकेश्वर।
डाकिनी में भीमेश्वर हो,
ओंकार में अम्लेश्वर।।

तुम महादेव, हे! भोलेनाथ,
तुम नीलकण्ठ, गंगाधर।
त्रिदेवों में एक देव हैं,
कहे जाते शिव शंकर।।

रचना
स्नेह लता ( स०अ० )
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि 2412

दिनांक 05/08/2021 दिन गुरुवार

# शिक्षक

**सूरज की किरणों सा शिक्षक,**
**फैले उजियारा बनकर।**
**सबको ज्ञान का दीप दिखाये,**
**दीपक की बाती बनकर।।**

**पथ-प्रदर्शक बनकर सबका,**
**नयी राह है दिखलाता।**
**कभी पिता बनता है वो,**
**कभी बन जाये माता।।**

**मिशन शिक्षण संवाद हर,**
**शिक्षक का मान बढ़ाने आया है।**
**मानवता के कल्याण की,**
**हर राह दिखाने आया है।।**

रचना- अर्चना वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गिरवां
महुआ, बाँदा

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

**2413**

दिनांक दिन
गुरुवार 05.08.2021

## मित्र

दोस्त-सखा जो संगी-साथी,
जीवन भर साथ निभाता है।
हृदय में हर पल रहता जो,
सच्चा मित्र, वही कहलाता है।।

सुख में खुशी करे जो दूनी,
फिर संग-संग मौज मनाता है।
ईर्ष्या-लोभ न जिसके मन में,
वह अपनापन दिखलाता है।।

आती विपदा जब जीवन में,
फिर समाधान बतलाता है।
दु:ख-द्वन्द समझ ले मन का,
जीवन में राह दिखाता है।।

सघन निराशा दूर करे जो,
जीवन जगमग कर जाता है।
प्रेम, नेह, ममता रखता जो,
सच्चा मित्र वही कहलाता है।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुननगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2414

दिनांक 05/08/2021 दिन गुरुवार

## शिक्षण संग्रह माड्यूल

छ: भागों में है विभाजित,
शिक्षण संग्रह का माड्यूल।
व्यक्तित्व विकास, शिक्षण योजना,
विद्यालय नेतृत्व, आकलन मूल।।

शैक्षिक गतिविधियाँ, समूहगान,
N.C.F. अरु R.T.E. का ज्ञान,
I.C.T. नवाचार और BALA,
लर्निंग आउटकम दिलाने वाला।।

6-14 आयु वर्ग के बच्चे,
प्राप्त करें सब नि:शुल्क शिक्षा।
प्रयोगशाला और पुस्तकालय,
पी० टी०, योग, व्यवसायिक शिक्षा।।

प्रेरक प्रसंग अरु लघु कथाएँ भी,
प्राप्त कराती हैं जीवन कौशल।
राष्ट्रीय पर्व, त्योहार, जयन्तियाँ,
बालविकास को कर रहीं सफल।।


रचना-
बी० डी० सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय मदुरी,
खजुहा, फतेहपुर


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2415

दिनांक 05/08/2021 दिन गुरुवार

## भारत माँ की जय

आओ हम-सब मिलकर अपनी,
भारत माँ की जय बोलें।
उसका वैभव गान सुनाकर,
पावन रज मस्तक धर लें।।

सिर पर ताज हिमालय का है,
आँचल में गंगा बहती।
चरणों में लहराता सागर,
राम-कृष्ण की ये धरती।।

इस माटी में जन्म लिया है,
इसमें पलकर बड़े हुए।
तेरा कर्ज़ चुकाने को माँ,
हम-सब मिलकर खड़े हुए।।

माँ तेरी गौरव रक्षा हित,
अपनी जान गवाँ देंगे।
शत्रु अगर जो आँख उठाए।
नामोनिशा मिटा देंगे।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
रश्मि उपाध्याय (इ०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० पिथनपुर,
मारहरा, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2416

दिनांक 05.08.2021 दिन गुरुवार

# वो बचपन की शैतानियाँ

वो बचपन की यादें,
वो शरारत सी नादानियाँ।
वो छुट्टियों की मस्ती,
नाना और नानी की कहानियाँ।।

वो भरी धूप नहरों के किनारे जाना,
वो गीली रेतों पर घरोंदे बनाना।
वो घरोंदे बनाकर फिर उजाड़ना,
घर आँगन में बड़ों को सताना।।

वो कच्चे आमों को तोड़ना,
वो आमों की टहनियों पर झूलना।
वो झूलते हुये नीचे गिरना।
चोट खाकर गिरकर, उठना।।

जाने कहाँ गया अब सफर सुहाना,
जब सब था अपना ना रूठता था जमाना।
याद आती हैं अभी भी वो शैतानियाँ,
बचपन के वे किस्से और कहानियाँ।।

रचना -
रुचि पैन्यूली (स०अ०)
रा० प्रा० वि० विधौली
सहसपुर, देहरादून

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2417

दिनांक 05-08-2021 दिन गुरुवार

## बन्दर मामा

उल्टी सीधी हरकत के लिए,
सदा से इन्हें जाना जाता है।
उछल कूद से ही हमेशा इन्हें,
दुनिया में पहचाना जाता है।।

देखने में इंसानों जैसे ही हैं ये,
इंसानों का पूर्वज माना जाता है।
समझदार भी इंसानों जैसे ही हैं,
हू-बहू इंसान ही माना जाता है।।

प्यार से सब कहते हैं बन्दर मामा,
बन्दर के नाम से ही जाना जाता है।
फलों का भोजन इन्हें प्यारा बहुत,
बच्चों का चहेता समझा जाता है।।

अच्छे ढंग से अब समझ लो इनको,
इनके डर से सबको पसीना आता है।
'घुड़की' से ही आप का होंसला पस्त है,
ऑस्ट्रेलिया में 'बाबू' से जाना जाता है।।

रचना
सुनील कुमार (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय जौरा
औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2418

दिनांक 06/08/2021 दिन शुक्रवार

## आओ! गणित को समझें हम

आओ! गणित को समझें हम,
मुश्किल हो जाएगी कम।
जीवन में जो कदम-कदम,
करते हैं प्रयोग हरदम।
अंकों की है ये सरगम।। मुश्किल...

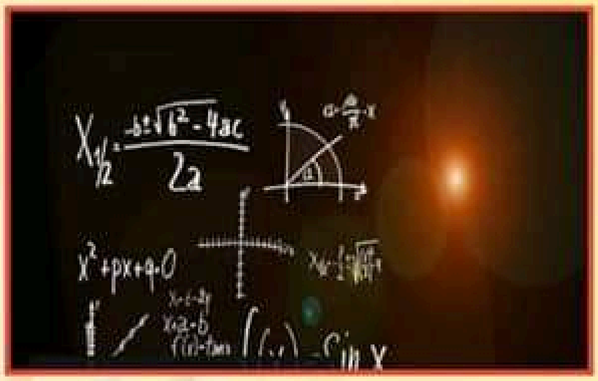

नहीं किसी से हम हैं कम,
दिखलाएँ बुद्धि का दम।
बन जाएँ सबसे उत्तम,
जीवन चमकेगा चम-चम।
आर्यभट्ट और रामानुजम।। मुश्किल...

कितना भी हो कार्य दुर्गम,
कितना भी हो जग निर्मम।
गणित लगाता है मरहम,
तपते मग पर ज्यों शबनम।
क्या है सम और क्या है विषम।।मुश्किल...

नहीं रहेगा कोई ग़म,
नहीं राह कोई दुर्गम।
आओ! ए मेरे हमदम,
दिखलाएँ अपना दमखम।
कोशिश करें बने पुरनम।। मुश्किल...


रचना-
रविकांत शर्मा "मधुर"
ARP (Maths)
जलेसर, एटा


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
2419
दिनांक 06.08.2021
दिन शुक्रवार

# प्रकृति

हरी-हरी हरियाली देखो,
चारों ओर छायी है।
सावन के महीने में ,
प्रकृति निखर कर आयी है।।

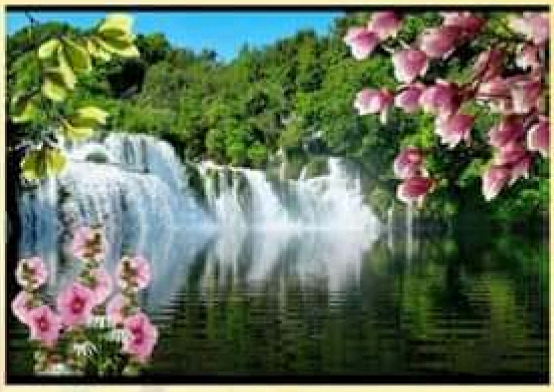

धानी रंग चुनर ओढ़,
दुल्हन-सी सजी धरती।
रंग-बिरंगे फूलों पर,
तितलियाँ भ्रमण करती।।

नन्ही-नन्ही बूँदें जब,
पत्तों पर झर-झर गिरती।
सुमधुर संगीत-सा,
कानों में उत्पन्न करती।।

सौंन्दर्य अनोखा प्रकृति का,
मनमोहक मन मोहता है।
बना रहे गौरव धरा का,
मन यही कामना करता है।।

रचना-
रचना रानी शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय, नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2420

दिनांक 06.08.2021 दिन शुक्रवार

# शिव का सावन

शिवभक्तों आया शिव का सावन,
प्रकृति भी बन गयी है पावन।
हरा-भरा है सारा उपवन,
श्रद्धा से भर उठा है ये मन।।

बरस रही घनघोर घटाएँ,
जैसे शिव की खुली जटाएँ।
भरने लगे हैं सभी शिवाले,
आये शिव के भक्त निराले।।

धूप, दीप, नैवेद्य चढ़ाकर,
बेलपत्र का अभिषेक कराकर।
दूध, शहद और घी चढ़ाएँ,
प्रेम से हम भोले को मनाएँ।।

मुरझायी शाखाएँ भी अब,
नव जीवन से हुई हैं संचित।
नयी कोंपलें फूट रही हैं,
देख-देख मन हुआ अचम्भित।।

रचना
रेखा रावत (स०अ०)
रा० प्रा० वि० तिमली भरदार
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2421 | दिनांक 06-08-2021 | दिन शुक्रवार

## प्रण

ऐ देश मेरे, तू रुकना नहीं,
गद्दारों के आगे झुकना नहीं।
तेरे लाल अभी भी जिन्दा हैं,
जिन्हें देख शत्रु शर्मिन्दा हैं।।

चट्टानों से हम टकरा जायें,
तूफानों में भी जो डट जायें।
हम तो हैं बड़े हिम्मतवाले,
ऐसे हैं हम, तेरे रखवाले ।।

तेरे शीश की जटाओं में,
दुश्मन बैठे हैं गुफाओं में।
एक-एक को मार गिरायेंगे,
हम अपनी जान लुटायेंगे।।

तेरी अस्मत पे मर जायेंगे,
तेरा नाम अमर कर जायेंगे।
तेरा गौरव हम बन जायेंगे,
दुनिया का सिरमौर बनायेंगे।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान


रचना -
सुमन शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- गढ़ी माली
छाता, मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2422

दिनांक 06/08/2021 दिन शुक्रवार

## चन्दा मामा

प्यारे चन्दा मामा तुम,
न्यारे चन्दा मामा तुम।
दिन में नहीं हो दिखते,
रात में दौड़े आते तुम।।

घुमड़-घुमड़ बादल आयें,
मुखड़ा नहीं दिखाते हो।
पूर्णिमा में गोल हो जाते,
खूब रोशनी फैलाते हो।।

ईद आये या हो करवा चौथ,
गायब आकाश से हो जाते।
अपनी एक झलक दिखाने को,
नखरे तुम खूब उठवाते।।

हमको भाता मुखडा तेरा,
बड़ा ही सुन्दर रूप है तेरा।
जग में फैलाते प्रकाश तुम,
हम सबके चन्दा मामा तुम।।

रचना:-
निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि 204 दैनिक सृजन 2423

दिनांक 06/08/2021 दिन शुक्रवार

## ईश्वर की महिमा

ईश्वर ने धरा को क्या ख़ूब सजाया है,
प्रकृति का देखो रूप-अनूप बनाया है।
हर शै में ज़िन्दगी का ही तो साया है,
ईश्वर ने धरा को क्या ख़ूब सजाया है।।

नैनों में दी ज्योति, सागर में दिए मोती,
प्रेम ही सबको एक सूत्र में है पिरोती।
मात-पिता, गुरुजन से हमको मिलाया है,
ईश्वर ने धरा को क्या ख़ूब सजाया है।।

फूल-पत्तियों संग दिये हैं काँटे,
काँटें ही फूलों का कवच हैं बनाते।
हर मुश्किल राह को आसान बनाया है,
ईश्वर ने धरा को क्या ख़ूब सजाया है।।

पेड़-पौधे, पर्वत, और हैं झील, नदियाँ,
ये सब हैं उसी प्रभु की कृतियाँ।
वो कृपा निधान जिसने ये दृश्य दिखाया है,
ईश्वर ने धरा को क्या ख़ूब सजाया है।।

रचना:
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2424

दिनांक 06-08-2021 दिन शुक्रवार

# धरती के अनमोल रत्न

हे मानव! मत काट वृक्ष तू,
मत बहा व्यर्थ में पानी।
ये दोनों तो हैं धरा पर,
जीवन की निशानी।।

घनी छाँव के वृक्ष लगाओ,
पानी की हर एक बूँद बचाओ।
पहना दो धरा को,
चटख चुनरिया धानी।।

आधा रोग भगाता है पानी,
वृक्ष तो लाते हवा सुहानी।
वृक्ष व पानी रत्न धरा के,
मानो यह बात, करो ना नादानी।।

बचे रहेंगे गर ये दोनों,
बचे रहेंगे हम।
मिट जायेंगे जीव-जन्तु सब,
यदि ये हुए खत्म।।

रचना
सरिता तिवारी (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय कन्दैला
मसौधा, अयोध्या

# हिरोशिमा दिवस

जापान का एक नगर है,
हिरोशिमा जिसका नाम।
परमाणु बम गिरा यहाँ पर,
द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान।।

हिरोशिमा : पहली परमाणु त्रासदी के 75 वर्ष

6 अगस्त का था वो दिन,
हुआ पूरा नगर बरबाद।
इस विभिषका के परिणाम,
नगरवासी भुगत रहे हैं आज।।

जापान के ही दूसरे नगर,
नागासाकी पर भी हमला हुआ।
इसलिए जापान ने परमाणु हथियार,
निर्माण न करने का निर्णय लिया।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2426

दिनांक 06/08/2021 दिन शुक्रवार

# उपयोगी वृक्षों के नाम

आओ बच्चों तुम्हें सिखाएँ,
उपयोगी वृक्षों के नाम।
देते फल और छाया हमको,
आते बड़े हमारे काम।।

बरगद, पीपल, अर्जुन, पाकड़,
देते वृक्ष हैं सुख अपार।
कदम, नीम, महुआ, गुलमोहर,
वृक्ष कहाते हैं छायादार।।

इमली और अमरुद, करौंदा,
कटहल, जामुन या फिर आम।
सेब, सन्तरा और नाशपाती,
लीची, बेल फलदार हैं नाम।।

आँवला, नीम और सहजन होते,
औषधीय गुण वाले वृक्ष।
देवदार, शीशम और चीड़ हैं,
साखू आदि इमारती वृक्ष।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2427

दिनांक 07/08/2021 दिन शनिवार

## आतुरता

लेकर अपना बस्ता बोतल,
आओ! स्कूल चलें हम।
न कॉपी न पेन में स्याही,
इतराकर स्कूल चलें हम।।

प्रार्थना, योगा, पी० टी० में,
आगे की ओर रहें हम।
बच्चे हम मन के सच्चे,
आओ! स्कूल चलें हम।।

इन्टरवल में हैंडवाश कर भागें,
एम० डी० एम० की थाली लेकर हम।
खो-खो के रंग में रंग जाएँ,
खेलें फुटबॉल, क्रिकेट, कैरम।।

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

छुट्टी की घण्टी सुन गेट पर,
बैग लटकाकर झूलें हम।
धक्का-मुक्की रेलम-पेल,
फिर एक हो जाएँ हम।।

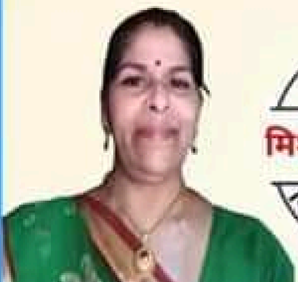


रचना- अर्चना गुप्ता (प्र०अ०)
अं० मा० प्रा० वि० बड़ोखर बुजुर्ग- 1
महुआ, बाँदा


आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

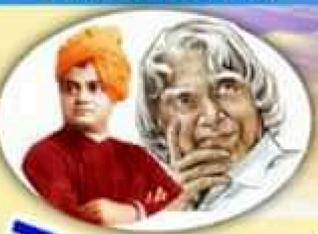

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2428

दिनांक 07/08/2021 दिन शनिवार

## बरस रहे दल बादल के

काली-काली गिरी घटाएँ,
बरस रहे दल बादल के।
टप-टप-टप-टप करती बूँदें,
गरज रहे दल बादल के।।

धरती अम्बर गीला-गीला,
छाता लेकर निकली शीला।
ताल-तलैया भरे लबालब,
नहा रहा बादल भी नीला।।

छत से गिरते हुए पनारे,
झरने जैसे बहे पनारे।
चंगू-मंगू छत के ऊपर,
किलक रहे सारे के सारे।।

देखो हँसते हुए किसान,
धानों में बसते हैं प्राण।
पानी बरसा अमृत वर्षा,
सबके चेहरे पर मुस्कान।।

रचना-
सुनील कुमार (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बीगौर,
सकीट, एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

# प्यारा हिन्दुस्तान

देश हमारा सबसे न्यारा,
प्यारा हिन्दुस्तान।
भारत माता हमें बुलाती,
माँ! तू बड़ी महान।।

पर्वत-पर्वत हमें सुनाते,
मंगल-मंगल गान।
नदियाँ मिलकर हैं बनाती,
हरा-भरा मैदान।।

जंगल-जंगल भरी हुई है,
चिड़ियों की मीठी तान।
एक तिरंगा, सबसे न्यारा,
हम सब की है शान।।

---

रचना-: डॉ० गीता नौटियाल (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० बैनोली भरदार,
जखोली, रुद्रप्रयाग

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
2430
दिनांक 07/08/2021
दिन शनिवार

# सावन का महीना

सावन का महीना,
घटाएँ घनघोर।
मस्त मगन हो करके,
जंगल में नाचे मोर।।

रिमझिम बरखा का पानी,
फैला है चहुँ ओर।
फिर भी प्यासा पपीहा,
जल ढूँढे इत-उत ठौर।।

कोयल पपीहा बोलें,
मन हर्षाये जल का जोर।
छायी है हरियाली,
टर्र-टर्र दादुर कर रहें शोर।।

सावन शिव का है महीना,
है भक्ति से सराबोर।
बम-बम भोले के जयकारे,
शंख-घण्टों का मन्दिर में शोर।।

रचना
शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन 2431
दिनांक 07/08/2021
दिन शनिवार

# सच्चा ज्ञान

वही ज्ञान है सच्चा ज्ञान,
जो बनाये अच्छा इंसान।
वरना किताबी पन्नों से,
लेकर ज्ञान, भी है अनजान।।

वही ज्ञान है सच्चा ज्ञान,
जो दिलाये जग में सम्मान।
छोटों को प्यार करना सिखाये,
देना सिखाये बड़ों को मान।।

वही ज्ञान है सच्चा ज्ञान,
जो कर दे जग का कल्याण।
ऊँच-नीच का भेद मिटाकर,
करता सुदृढ़ समाज निर्माण।।

---

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2432

दिनांक 07/08/2021 दिन शनिवार

# पशु-प्रेम

फेंक गया निर्दयी झाड़ी में,
दया तनिक उसको ना आयी।
नन्हीं-नन्हीं तीन कलियों ने,
स्त्री जाति की सजा थी पायी।।

छोटा ईटों का घर बना कर,
तीनों पिलियों को था सुलाया।
सर्द ऋतु में उन्हें बचाकर,
नित्य दूध दलिया खिलाया।।

मृत मिली दो पिलियाँ एक दिन,
हाय रुलाई मुझको आयी।
जीवित बची एक पिलिया,
मैं उठाकर घर ले आयी।।

प्रेम जीव जन्तुओं से करना,
भावनाएँ इनमें भी सारी।
बोल नहीं सकते हैं अपितु ,
व्यक्त करते हैं भावना सारी।।

रचना- मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पूठी
किला परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2433

दिनांक 07-08-2021

दिन शनिवार

## नारी

नारी है शक्तिस्वरूपा,
नारी है दुर्गा काली।
नारी है नारायणी,
नारी है जग की माली।।

नारी बिना जग सूना,
नारी है जग का गहना।
नारी है खान गुणों की,
नारी का क्या है कहना।।

नारी कर सकती कुछ भी,
नारी आये जो खुद पे।
नारी कर दे सब मुमकिन,
नारी आये जो जिद पे।।

नारी से खुशियाँ घर की,
नारी से रौनक जग की।
नारी का करो सदा वन्दन,
नारी का करो अभिनन्दन।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2434

दिनांक 07.08.2021 दिन Saturday

# Mother

Mother means a lot,
She is a birth giver.
She is a statue of sacrifice,
She is a world maker.

Every small child depends on her,
Every home needs her.
She is a god's favor,
She is a pain taker.

How can we repay her debt?
Her hardwork is priceless.
How great she is, do we get?
Never forget her, she is a bless.

Mother, mother, mother,
This is the word.
By which we all know her,
At last, we should respect her.

Created by- Shweta (A.T.)
P. S. Roja Jalalpur
Gautam Buddha Nagar

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ।


9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2435

दिनांक 07/08/2021 दिन शनिवार

# उपवन फिरि से खिलि जाई

लॉकडाउन मा छोटे बच्चे,
कुल मिलाय कै ऊबि चुके।
जौन पढ़े स्कुलवा मा,
वहिका लेके तौ डूबि चुके।।

अब तो पढ़बै को बेचैन हैं,
गेटै से वै झाँकत हैं।
पूछत कि स्कूल खुली कब?
ध्यान से देखई लागत हैं।।

राशन-पानी पाय चुके,
नामांकन पर हैं जोर धरे।
ड्रेस-किताब की उत्सुकता मा,
गला-गल्ल वो शोर करें।।

पहिले दिन जब अइहैं बच्चे,
तौ खाली मनवा भरि जाई।
समय जौन ना काटे कटता,
खुलने पर सब कटि जाई।।

कहूँ चलैं वन-टू गिनती,
जोड़-घटा फिर रटि जाई।
जब खुलिहैं फिर से स्कूल,
तब यू उपवन फिरि खिलि जाई।।

रचना
अनिल कुमार (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० तेलियानी (प्रथम)
मिश्रिख, सीतापुर


आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2436

दिनांक 09.08.2021 दिन सोमवार

# देशप्रेम की लौ

विश्वगुरु, सोने की चिड़िया, भारत पर,
जब-जब आक्रमणकारियों ने दृष्टि डाली।
लूटे मन्दिर, लूटी अस्मत महिलाओं की,
भारतवर्ष की सभ्यता बदल डाली।।

कभी पुतर्गाली, कभी आक्रमणकारी,
कभी मुगल, कभी गौरे अंग्रेज आये।
फूट डाल कर, हथिया कर सत्ता,
अपनों से अपनों के गले कटवाये।।

देशप्रेम में राणा प्रताप, पृथ्वीराज, वीर शिवाजी,
नेताजी, चन्द्रशेखर ने लगा दी प्राणों की बाजी।
मंगल पाण्डे ने 1857 की क्रान्ति का किया उद्घोष,
भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु चढ गये फाँसी।।

बलिदानी, वीर क्रान्तिकारियों को,
करते हैं हम श्रद्धा सुमन अर्पण।
जलाकर देश प्रेम की लौ मन में,
हम सब भी हों देशभक्ति में मगन।।


रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ।


9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक सृजन

काव्यांजलि 2437

दिनांक 09-08-2021 दिन सोमवार

# कैसे कहूँ पालतू इनको

राजू पूछ रहा मम्मी से,
मम्मी जी कुछ नाम बताओ।
मुझे पालतू और जंगली,
पशुओं के कुछ नाम गिनाओ॥

उपयोगी पशु पाले जाते,
उन्हें पालतू कहते हैं।
संग हमारे पास गाँव में,
पशुशाला में रहते है॥

गाय, भैंस, ऊँट, अज, भेड़,
कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा, याक।
राजू याद रखो इन सबको,
और जमाओ अपनी धाक॥

मम्मी सारे नाम ठीक हैं,
पर गइया में असमंजस है।
कौन पालता? सब छुट्टा हैं,
एक सड़क में खाती गस है॥

तार- ब्लेड से घायल, लंगड़ी,
कभी सड़क पर तड़प रही है।
कैसे कहूँ पालतू इनको,
कहीं झूठ तो नहीं कही है॥

रचना- रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2438

दिनांक 09/08/2021 दिन सोमवार

# कृमि संक्रमण से मुक्ति

कृमि संक्रमण से मुक्ति है हम सबका गोल,
एक गोली खाएँगे एल्बेंडाजोल।
सुरक्षित रहने के उपाय हैं कई जो,
फिर से बता खोलेंगे हम उनकी पोल।।

बच्चों में दिखने लगे कमजोरी भारी,
खून की कमी, थकावट और बीमारी।
महसूस हो रहा कुपोषण का प्रभाव,
उचित समय ध्यान देने में है समझदारी।।

आसपास स्वच्छ जल लें, फल सब्जियाँ धोएँ,
नाखून छोटे, हाथ साबुन से धोएँ।
है रखना जब भोजन सदा ढक कर रखें,
पादुका हो शौचालय प्रयोग में लाएँ।।

गोल धागे, अंकुश, फीता कृमि प्रकार,
शरीर में प्रवेश कर बढ़ाते आकार।
जिसे रोकने सरकार चलाती अभियान,
दस फरवरी, दस अगस्त, वर्ष में दो बार।।

रचना-
ऋषि कुमार दीक्षित (स०अ०)
प्रा० वि० भटियार,
निधौली कलाँ, एटा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2439

दिनांक 09/08/2021 दिन सोमवार

## हेपेटाइटिस

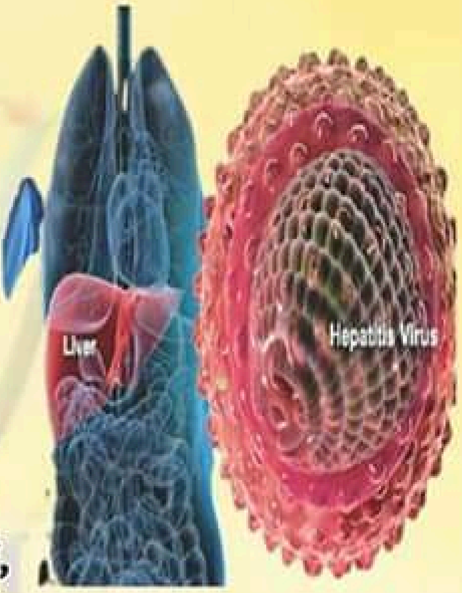


जब होता हेपेटाइटिस,
लीवर खतरे में समझो।
पाँच प्रकार के वायरस इसके,
मानसून में सक्रिय हों।।

हो जाते हैं पीले-पीले,
नाखून, स्किन और आँखें।
यूरीन का डार्क येलो रंग,
संक्रमण का संकेत दे।।

माँसाहार, मसालेदार और,
तले-भुने खाने से दूर रहो।
खजूर, पालक, केला, अँगूर,
आहार में शामिल करो।।

टीकाकरण है बहुत जरुरी,
एकमात्र उपाय रोकथाम का।
हो समस्या जो गम्भीर,
कारण बनेगी कैंसर का।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।


रचना- ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा


आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2440

दिनांक 09.08.2021 दिन सोमवार

# हिन्दी भाषा

गर्व करें हम हिन्दी भाषी,
लिखना हिन्दी, पढ़ना हिन्दी।
सोच में हिन्दी, कर्म में हिन्दी,
जब बोलें तो केवल हिन्दी।।

हिन्दी मेरी जन्म की भाषा,
ये मेरे अभिमान की भाषा।
ये मेरे परिचय की भाषा,
देश की पहचान की भाषा।।

हिन्दी हैं हम

पुराणों की भाषा हिन्दी,
वेदों का सार भी हिन्दी।
गीता की समझ भी हिन्दी,
कर्म योगी की प्रीति हिन्दी।।

आओ! इसका मान बढाएँ,
सब इसका सम्मान कराएँ।
ये मृदुल भाषा है हिन्दी,
हम भारतीयों का मान है हिन्दी।।

रचना-
मंजूबाला (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि०- च्यूरानी
बाराकोट, चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2441

दिनांक 09-08-2021 दिन सोमवार

# मैं हूँ प्रकृतिमित्र

हूँ तत्पर मैं पर्यावरण की,
अत्यन्त रक्षा सदैव करने को।
हाँ मित्र हूँ प्रकृति की मैं ,
तैयार नहीं पीछे हटने को।।

जन-जन में यह जागरूकता,
अब मुझको जरूर जगानी है।
कदम कदम पर पौधों की,
सांसें भी सदा बचानी हैं।।

अगर नहीं रहेगी प्रकृति तो,
फिर जीवन हो जाएगा नष्ट।
प्राणवायु, हरियाली की खातिर,
सब मिल उठाएँ थोड़ा कष्ट ।।

मुझको प्रिय था पहले भी,
पेड़-पौधों पर लाड़ लड़ाना।
गृह में और विद्यालय में,
खूब वृक्षारोपण करवाना।।


रचना
गीता देवी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मल्हौसी
बिधूना, औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

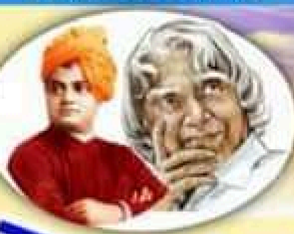

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2442

दिनांक 10.08.2021 दिन मंगलवार

## माँ शारदे वन्दना

शुभ दे ज्ञान दायिनी वरदे,
वरदे, वरदे, वरदे।
काट उरों के निबिड़ तमों को,
प्रखर ज्योति भर दे।।
वरदे, वरदे, वरदे।।

भारत माँ का उर अन्तस्थल,
तेज पुंजमय द्योतित अविरल।
अघ समूह की प्रबल धार को,
क्षार-क्षार माँ कर दे।।
वरदे, वरदे, वरदे।।

मातृभूमि में अघ जड़ता का,
साम्राज्य प्रसृत मूढ़ता का।
लव निमेष में दिव्य दृष्टि से,
चमत्कार कर माँ कर दे।।
वरदे, वरदे, वरदे।।

ईर्ष्या द्वेष प्रपन्चित मानव,
कलुषित हृदय प्रदूषित दानव।
चारु चन्द्र की ज्योत्सनाओं से,
हीरक हार माँ कर दे।।
शुभदे ज्ञानदायिनी वरदे
वरदे, वरदे, वरदे।।

रचना
उमेश चन्द्र वर्मा (प्रवक्ता)
रा० इ० का० निशातगंज
लखनऊ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2443

दिनांक 10.08.2021 दिन मंगलवार

## हरे-हरे हिन्दुस्तान हरे...

दिल से दिल का रिश्ता हो,
भावों का सम्मान करें।
हार जहाँ पर जाए राम,
कोशिश वहाँ रहमान करे।।

जो भी बोले, बस यह बोले,
हरे-हरे हिन्दुस्तान हरे।
भली लगे या बुरी लगे,
कहती हूँ मैं, व्याख्यान खरे।।

एक धर्म हो, बस देश हमारा,
इस पर हर इंसान मरे।
जो भी बोले, बस यह बोले,
हरे-हरे हिन्दुस्तान हरे।।

समझ कर खुद को हिन्दुस्तानी,
अपने वतन का ध्यान धरें।
या तो बोले वन्दे मातरम,
या जन-गण-मन का गान करें।।
जो भी बोले, बस यह बोले,
हरे-हरे हिन्दुस्तान हरे।

रचना-
अलका अग्रवाल (स०अ०)
उ० प्रा० वि० धिंगरौली (कम्पोजिट)
क्षेत्र- खंदौली, जनपद- आगरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

## मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2444

दिनांक 11/08/2021 | दिन मंगलवार

## बसन्त ऋतु

बसन्त की इस ऋतु में,
चारों और हरियाली।
फूल खिले हैं शाख-शाख पर,
खूब झुकी है डाली-डाली।।

रंग-बिरंगे फूल खिले हैं,
डाल-डाल हरियाली है।
प्रकृति में बिखरी छटा,
अनुपम और निराली है।।

खग-विहग भी करते कलरव,
नदियाँ करती कल-कल-कल।
हवा की बहती बयार में,
देखो, धरा में नयी फुहार है।।

पेड़ों की शाखों में ,
फूलों की पाखों में।
भँवरौं का गुंजन है,
प्रकृति में नया सृजन है।।

रचना:-
सरिता बमराड़ा(स०अ०)
रा० क० उ० प्रा० वि० ताल
ब्लॉक- पाबौ, पौड़ी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2445

दिनांक 10.08.2021 दिन मंगलवार


# हरियाली अमावस्या

प्रकृति का आभार मानकर,
नव पौधे आज लगाएँ हम।
धरती के श्रृंगार को करके,
हरियाली अमावस्या मनाएँ हम।।

सावन का मौसम है आया,
खुशियाँ चारों ओर हैं छायी।
घटा से बरसा आज है पानी,
हर बाग में बहार है आयी।।

आम, आँवला, पीपल, वटवृक्ष,
तुलसी, गुड़हल, नीम लगाएँ।
घेवर, रबड़ी, गुझिया झूले से,
राखी, हरियाली तीज मनाएँ।।

पितृ-प्रकृति की पूजा करके,
गुड, गेहूँ, धानी, प्रसाद चढ़ाएँ।
प्रकृति के आशीष को पाकर,
सुख-सम्पत्ति, धन-समृद्धि पाएँ।।

रचना
रविन्द्र कुमार सिरोही
(ए०आर०पी०)
बड़ौत, बागपत


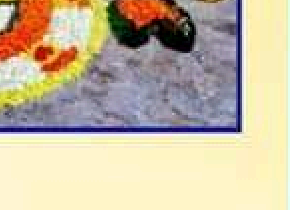

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन **2446**

दिनांक 10/08/2021 दिन मंगलवार

# हवाई जहाज

मम्मी हवा की सैर करा दो,
हवाई जहाज में मुझे बिठा दो।
बादलों में खेलूँगी मैं,
नई दुनिया को देखूँगी मैं।।

पासपोर्ट बनवा दो मेरा,
प्लेन का टिकट कटा दो मेरा।
दूर विदेश मैं जाऊँगी,
अनुभव नया मैं पाऊँगी।।

सीट नम्बर खिड़की का लेना,
आसमां को पास है लेना।
बादलों में कौन है रहता?
कौन है इसमें पानी भरता?

यह सब कुछ मैं जानूँगी,
अब तो तभी मैं मानूँगी।
हवाई जहाज में जाना है,
मजा यह मुझको पाना है।।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा०वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2447

दिनांक 10/08/2021 दिन मंगलवार

## झाँसी की रानी
(भाग -2)

दूध का पूत बाँध पीठ,
मुँह बीच लगाम दबायी थी।
झाँसी की रक्षा करने की,
उसने कसमें खायी थी।।

जगा जोश नारी जाति में,
ऐसी आग लगायी थी।
आजादी दिलवा कर जी गयी,
ऐसी लक्ष्मी बाई थी।।

सत्ता हथियानें की कसमें,
जयचन्दों नें खायी थी।
अपना कहने वालों ने ही,
घर में सेंध लगायी थी।।

सबकी कुटिल चाल पर उसने,
तिरछी नज़र गड़ायी थी।
आजादी दिलवाकर जी गयी,
ऐसी लक्ष्मी बाई थी।।

क्रमशः

रचना- रीता गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० कलेक्टर पुरवा
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2448

दिनांक 10/08/2021 दिन मंगलवार

## पर्यायवाची शब्द

जिन शब्दों के समान अर्थ होते,
वो शब्द पर्यायवाची कहलाते।
भाषा की सबलता को दर्शाते,
अभिव्यक्ति की क्षमता को बढ़ाते।।

आशीष, दुआ, शुभाशीष, शुभकामना,
आशीर्वाद के पर्याय होते।
आकांक्षा, अभिलाषा, मनोरथ, कामना,
इच्छा, चाह समान शब्द होते।।

कमल, सरोज, जलज, पंकज, नीरज,
वारिज,अम्बुज एक ही होते।
बादल, मेघ, पयोधर, नीरद,
घन, अम्बुद पानी बरसाते।।

सूरज, भास्कर, दिनकर, दिवाकर,
सूर्य, रवि रात को मिटाते।
चन्द्र, सोम, राकेश, निशाकर,
चाँद, मयंक चाँदनी फैलाते।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर,
निधौली कलाँ, एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2449

दिनांक 10/08/2021 दिन मंगलवार

# अटल सत्य

मृत्यु है एक अटल सत्य,
बाकी सब तो एक भ्रम है।
हम हैं कुछ करने के काबिल,
यह केवल एक वहम है।।

अच्छे और बुरे कर्मों का,
फल यहीं पर मिलता है।
जरा कमल को देखो तो,
वह कीचड़ में ही खिलता है।।

जैसा व्यवहार करोगे तुम,
वैसा ही तो पाओगे।
बोकर पेड़ बबूल का,
आम कहाँ से खाओगे।।

याद करेगा तुमको कोई,
यदि काम तुमने अच्छे किए।
खुद के लिए जीना, क्या जीना?
जिएँ तो औरों के ही लिए।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2450

दिनांक 10-08-2021 दिन मंगलवार

## मछली रानी

जल की एक ही रानी है,
जीवन जिसका पानी है।
सुन्दर इसकी कहानी है,
मछली जल की रानी है।।

हाँ ये तो बड़ी सयानी है,
सबकी जानी पहचानी है।
स्वच्छ पानी की दीवानी है,
मछली जल की रानी है।।

रंग-बिरंगी मछली रानी है,
स्नोफीलिया की दवा पुरानी है।
सबके हाथ नहीं आनी है,
मछली जल की रानी है।।

ओमेगा=3 की ये निशानी है,
पौष्टिक आहार की मानी है।
प्लैंकटन इनकी जिन्दगानी है,
मछली जल की रानी है।।

रचना
सुनील कुमार (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय जौरा
औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2451

दिनांक 10/08/2021 दिन मंगलवार

## मइया आयीं

मइया मेरे घर को आयीं,
मइया चुनरी पहन के आयीं।
मइया चूड़ी पहन के आयीं,
मइया पायल बजा के आयीं।।

आँखें खुशी से रो पड़ी,
मइया ने पवित्र कर दी झोपड़ी।
मइया सबको वरदान लुटाने,
अपने सच्चे भक्तों को हँसाने।।

जो उनके मन्दिर में जाता,
वह खुशियों से भर जाता।
उनको चुनरी खूब चढ़ाता,
उनको नारियल खूब चढ़ाता।।

मइया को हँसाना है,
खूब पुण्य कमाना है।
माला खूब बनाना है,
उनको खूब पहनाना है।।

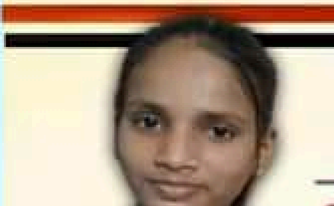

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।


रचना
अवंशिका सिंह (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली


आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2452

दिनांक 11.08.2021 दिन बुधवार

## बचपन (भाग - 1)

बार-बार आती है मुझको,
मधुर याद बचपन तेरी।
गया,ले गया तू जीवन की,
सबसे मस्त खुशी मेरी।।

चिन्ता रहित खेलना, खाना,
वह फिर निर्भय स्वच्छन्द।
कैसे भूला जा सकता,
बचपन का अतुलित आनन्द।।

रोना और मचल जाना भी,
क्या आनन्द दिखलाते थे।
बड़े मोती से आँसू,
जयमाला पहनाते थे।।


रचना-
दमयन्ती राणा (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
कर्णप्रयाग,चमोली


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2453

दिनांक 11/08/2021 दिन बुधवार

## स्वतन्त्रता दिवस

पन्द्रह अगस्त को हर साल,
स्वतन्त्रता दिवस मनाया जाता।
यह दिवस हम भारतीयों,
का राष्ट्रीय पर्व है कहलाता।।

15 अगस्त सन 1947 को,
देश हमारा आजाद हुआ था।
हम सब भारतवासियों का,
मानों भाग्य उदय हुआ था।।

इस दिन लाल किला, स्कूलों,
कार्यालयों में झण्डा फहराते हैं।
सभी धर्मों के सभी व्यक्ति,
मिल खुशियाँ खूब मनाते हैं।।

आजादी को लाने में शहीदों,
की शहादत याद की जाती है।
देकर श्रृद्धांजलि शहीदों को,
आँखें सबकी नम हो जाती हैं।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि०- भरौटा
सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2454

दिनांक 11.08.2021 दिन बुधवार

# नीरज चोपड़ा

स्वर्ण पदक विजेता बनकर,
देश का सम्मान बढ़ाया।
माँ भारती के लाल ने देखो,
परचम कैसा है लहराया?

हलधारी किसान पिता की,
मेहनत की खुशबू से।
धरती पुत्र ने टोक्यो में,
राष्ट्रीय ध्वज फहराया।।

गर्व है देश को "नीरज",
तुम जैसे किसान पुत्र पर।
भारत भाल पर जो तुमने,
स्वर्ण तिलक ऐसा लगाया।।

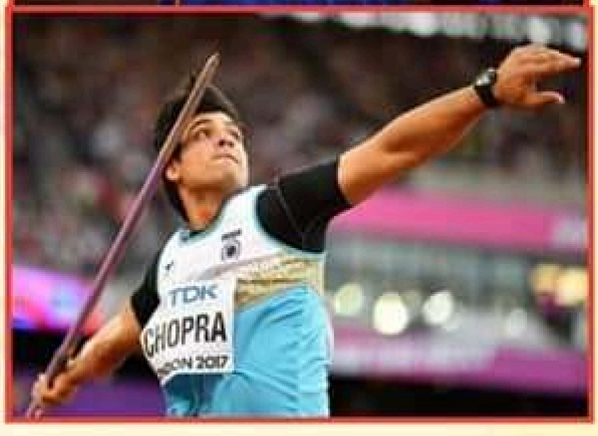


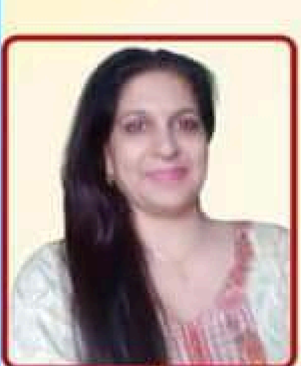

रचना


पारुल चौधरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हरचंदपुर
खेकड़ा, बागपत


आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।


9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

**मिशन शिक्षण संवाद**

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2455

दिनांक 11/08/2021 दिन बुधवार

## गगन विचरती नारी

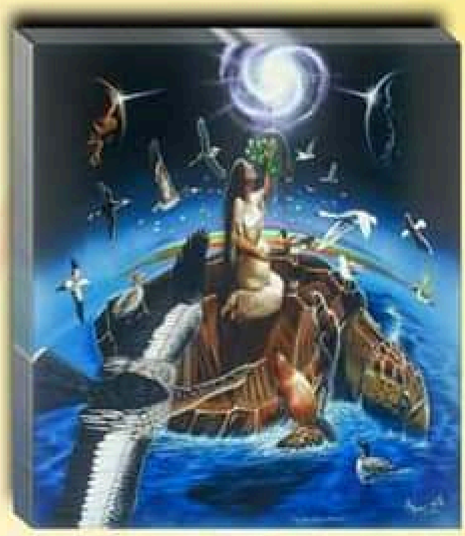

करुणा की सागर नारी,
लहरों सी हुँकार नारी।
छूना है तुमको आकाश,
इसका अभिमान करो नारी।।

धरती नापी, गगन चूमा,
सारा जग तुमने घूमा।
जीवन का कोई क्षेत्र नहीं,
जो तुमसे रहा अछूता।।

अब कोई सीता-द्रोपदी नहीं,
अब कोई राधा-सती नहीं।
एहसास कुचल दे नारी के,
ऐसी किसी की मजाल नहीं।।

गगन विचरती नारी को,
अब कोई रोक ना पाएगा।
आँखों में ज्वाला है जिसके,
भला उससे कौन टकराएगा।।

रचना-
नम्रता श्रीवास्तव (प्र०अ०)
प्रा० वि० बड़ेहा स्योंढा
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2456

दिनांक 11/08/2021 दिन बुधवार

## कड़ी मेहनत

मिलती है मंजिल उसी को,
जो कड़ी मेहनत करते हैं।
लक्ष्य प्राप्त होता उसी को,
जो निरन्तर प्रयास करते हैं।।

हार उसी की सदैव होती है,
जो असफलताओं से डरते हैं।
जीत उसी को सदैव मिलती है,
जो मेहनत से पुनः प्रयास करते हैं।।

महापुरुषों के जीवन से हमें,
यही सीख सदैव मिलती है।
कड़ी मेहनत के बाद ही,
जीवन में सफलता मिलती है।।

हम सभी को अपने जीवन में,
इस सत्य को अपनाना है।
सफलता को पाने के लिए,
कड़ी मेहनत को अपनाना है।।


रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात


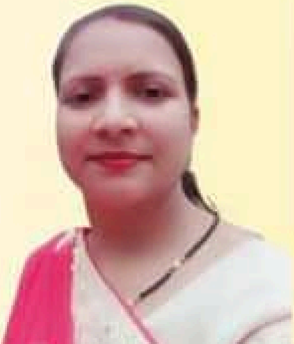

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

**2457**

दिनांक 11/08/2021 दिन बुधवार

## बादल

आते बादल,जाते बादल,
पंख बिना उड़ पाते बादल।
किससे मिलने की धुन में,
दूर देश हो आते बादल।।

आसमान में उड़ते बादल,
एक दूजे से जुड़ते बादल।
मर्जी हुई उधर ही घूमे,
एक जगह न रुकते बादल।।

बारिश लेकर आते बादल,
अपना दल संग लाते बादल।
अलग-अलग आकार बनाते,
कितने रूप बदलते बादल।।

काली घटा गरजते बादल,
छम-छम-छम बरसते बादल।
नाले, नदी सभी भर जाते,
ये नीर कहाँ से लाते बादल।।

रचना-
अनुपमा यादव(स०अ०)
प्रा०वि०जिरसमी प्रथम,
शीतलपुर, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2458

दिनांक 11-08-2021 दिन बुधवार

## हमारा फ़र्ज़

हुआ आजाद देश लगा यूँ,
जैसे उन्मुक्त गगन में पंछी।
जो घुटन भरी हवा थी कभी,
अब लगने लगी वो अच्छी।।

सोने के पिंजरे में तोता,
क्या खुश रह पाता है।
देश गुलामी की जंजीरों में,
तड़प-तड़प मर जाता है।।

उनसे पूछो मोल आजादी का,
जिनका सर्वस्व हुआ है बर्बाद,
आज जी रहे हैं हम सुख चैन से,
उनकी वजह से हम हैं आबाद।।

स्वतन्त्र देश में जी रहे हैं हम,
हम सभी पर देश का कर्ज है।
जीना है अब अपने देश के लिए,
देश की हिफाजत पहला फर्ज़ है।।

---

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० परसू
सहार, औरैया

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

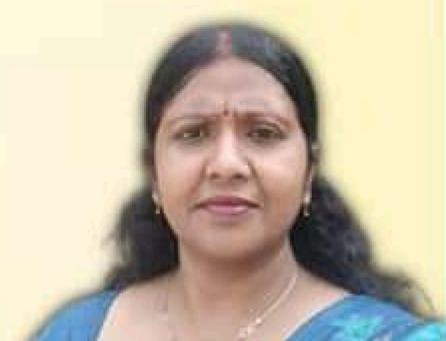

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2459

दिनांक 00-08-2021 दिन बुधवार

## मेरी नानी

नीम का बड़ा सा पेड़,
था मेरी नानी के आँगन में।
गिरती थीं पीली निबोलियाँ,
मेरी नानी के आँगन में।।

चाँद-तारे घण्टों देखे हैं,
मैने लेटकर के आँगन में।
बादलों की अटखेलियाँ खूब,
देखी हैं घूम-घूम कर आँगन में।।

एक गाय और बकरी,
नानी ने पाली थीं।
गीत सुनती थीं वे मेरे,
बालपन की वे सहेली थीं।।

पास में था एक मन्दिर,
चुटकी भर प्रसाद मिलता था।
पत्तों पर देते थे मलाई-कुल्फी,
स्वाद दिव्य लगता था।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि०-वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2460

दिनांक 11/08/2021 दिन बुधवार

# मेरे पापा

पापा मेरे प्यारे हैं,
सारे जग से न्यारे हैं।
जीवन का हर सबक सिखाते,
हर मुश्किल से हमें बचाते।।

हर ख्वाहिश है पूरी करते,
पर ना कभी जताते हैं।
कभी-कभी गुस्सा करते हैं,
फिर झट से मुस्काते हैं।।

प्यार बहुत वह करते हम से,
पर ना कभी जताते हैं।
जीवन का हर सबक सिखाते,
हर मुश्किल से हमें बचाते हैं।।

रचना-
कु० नेहा (छात्रा)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2461

दिनांक 12/08/2021 दिन गुरुवार

# हम भारत के रहने वाले

हम भारत के रहने वाले,
सदा सत्य को कहने वाले।
धरती है हम सबकी माता,
हम मातृभूमि पर मरने वाले।।

सारी दुनिया से हैं निराले,
भोले-भाले और मतवाले।
मातृभूमि की रक्षा के हित,
हम सब जान लुटाने वाले।।

होली, ईद, दशहरा जैसे,
पावन हैं त्योहार निराले।
गुरुद्वारे, कहीं गिरिजाघर हैं,
ऊँची मस्जिद, बने शिवाले।।

हिन्दू- मुस्लिम और ईसाई,
सब हैं मिलकर रहने वाले।
जाति, धर्म, मजहब से हटकर,
जय भारत माँ कहने वाले।।

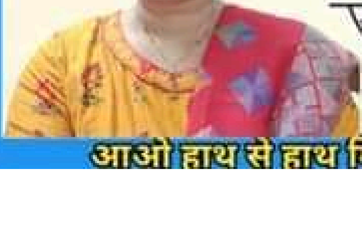

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2462

दिनांक 12-08-21 दिन गुरुवार

# राजनीति

हिन्दू हैं या मुस्लिम हैं हम,
क्या धर्म, क्या जाति है?
सबसे पहले मानव हैं हम,
ये मानवता सिखलाती है।।

मन्दिर बाँटे, मस्जिद बाँटी,
बाँट दिया त्यौहारों को।
हमें बाँटने आये हैं अब,
शर्म ना पालनहारों को।।

इन्सानों में फर्क करें जो,
वो घृणित राजनीति है।
क्षण में छू-मन्तर हो जाये,
जैसे कीड़ा बरसाती है।।

सब धर्मों का सम्मान करे,
जो जातिवाद का अन्त करे।
ऐसा अपना नेता हो,
और ऐसी राजनीति हो।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।


रचना
स्नेह लता ( स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

**मिशन शिक्षण संवाद**

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2463

दिनांक 12/08/2021 दिन गुरुवार

## मृतिका

चिकनी मिट्टी से बनाता,
कुम्हार कच्चे बर्तन।
उन्हें पकाते उच्च ताप पर,
तब बनते मिट्टी के बर्तन।।

ठण्डा-ठण्डा पानी पीते,
हम मिट्टी के मटके से।
जगमग-जगमग प्रकाश फैलाते,
हम मिट्टी के दीयों से।।

खिलौने, मूर्ति और टाइल्स,
चीनी मिट्टी से बनते हैं।
मृतिका से बनी वस्तुओं का उपयोग,
दैनिक जीवन में हम करते हैं।।

पके हुए मिट्टी के बर्तन,
कहलाते हैं मृतिका।
चीनी मिट्टी भी कहलाती,
एक प्रकार की सफेद मृतिका।।

रचना- नौरीन सआदत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रिसौरा
महुआ, बाँदा।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2464

दिनांक 12/08/2021 दिन Thursday

# Nature

Nature is our mother,
It gives us food.
Then why to bother,
Provides us healthy mood.

We should plant trees,
To make it evergreen.
Gives us cool breeze,
A protector which mean.

Don't pollute the water,
Precious for us.
A necessary matter,
And not a fuss.

What would we do?
If nature gets disturbed.
Join our hands to,
Fill with plants and herbs.

Created by- Shweta (A.T.)
P.S. Roja jalalpur
Bisrakh, Gautam Buddha nagar

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2465

दिनांक 12/08/2021 दिन गुरुवार

## आज़ादी की वर्षगाँठ

पचहत्तरवीं वर्षगाँठ हम ,
आज़ादी की मनाते हैं।
सजल नयन से वीर शहीदों,
तुमको शीश नवाते हैं।।

जाने कितनी माताओं ने,
अपने लालों को खोया है।
और विधवाओं के क्रन्दन से,
मन बिलख-बिलख कर रोया है।।

सरदार भगतसिंह, चन्द्रशेखर,
के वंशज भारतवासी हैं।
उन्होंने तो कर्ज चुकाया था,
अब फर्ज़ हमारा बाकी है।

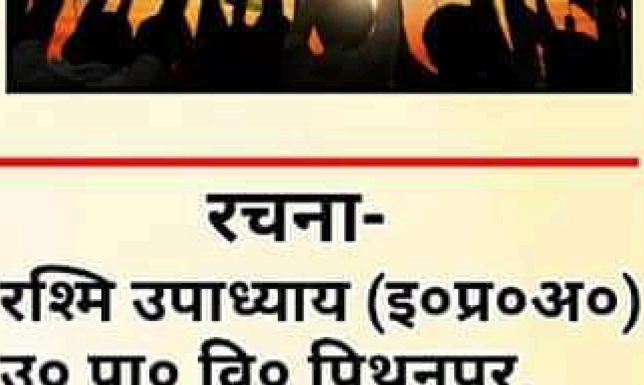

सौगन्ध हमें उन वीरों की,
संघर्ष हमें करना होगा।
मुश्किल से मिली विरासत को,
हमें सहज-सहज धरना होगा।।

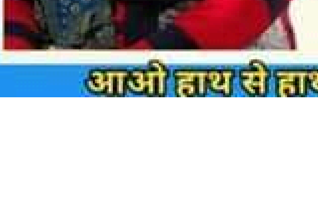

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
रश्मि उपाध्याय (इ०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० पिथनपुर,
मारहरा, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2466

दिनांक 12.08.2021 दिन गुरुवार

## बादल

गरज रहा है बादल घम-घम,
बरस रहा है पानी छम-छम।
हम भी भीगें तुम भी भीगो,
बजी ढोल मेढकों की डम-डम।।

बिजली चमके तड़-तड़,
नन्हा चूहा भागा सरपट।
पेड़ों के पत्ते करते खर-खर
चढ़ी पेड़ पर बिल्ली झटपट।।

छोटू, राजू नाव बनाकर,
नाच रहे पानी में जमकर।
दौड़ी  बहना पीछे डटकर,
गिरती,पड़ती व फिसलकर।।

छींक लगेगी राजू तुझको,
करेगा दिनभर आँछीं-आँछीं।
हाज़िर होवें नित पाठशाला में,
बात करूँ मैं सच्ची-सच्ची।।

रचना-
छाया (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सूरजपुर
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2467

दिनांक 12/08/2021 दिन गुरुवार

## प्रकृति मित्र

संकल्प ये है बड़ा ही पवित्र,
बनूँगी मैं भी एक 'प्रकृति-मित्र' ।
करेंगे हम प्रकृति का संरक्षण,
रोकेंगे वन-सम्पदा का क्षरण।।

पेड़-पौधों में बसती धरा की जान,
जानकर भी प्राणी बना अनजान।
नष्ट कर दी पृथ्वी की हरियाली,
फैला दी प्रदूषण की धुन्ध काली।।

प्रकृति का दोहन कर डाला,
देते टैक्नोलॉजी का हवाला।
वर्षों पहले क्या जीवन न था?
लोभ से परे, आज से अच्छा था।।

अब भी समय है, जाग जाओ!
प्रकृति की सम्पदा को बचाओ।
रक्षक बनो और भाव रखो पवित्र,
फिर कहलाओगे तुम 'प्रकृति-मित्र'।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना- सुमन शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- गढ़ी माली
छाता, मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2468

दिनांक 12/08/2021 दिन गुरुवार

## पानी रे पानी

पानी रे पानी तेरे रूप अनेक,
अनेक होकर भी तू है एक।
बारिश बना आकाश से गिरकर,
दूर की तपिश बरसकर।।

भाप बनकर उठा आकाश की ओर,
फूल पर गिरकर बन गया ओस।
जम कर गिरा तो बन गया ओला,
बर्फ जमा जब फ्रिज में रखा।।

फूल से निकलकर बना इत्र,
महक उठा अत्र, तत्र, सर्वत्र।
आँखों से बहकर आँसू बना,
एक जगह जमा होकर झील बना।।

बहती धारा में बना नदिया,
मेहनत पर निकला बनकर पसीना।
जीवन दिया है सीमा में रहकर,
तोड़ सीमा किया प्रलय रूप धारण।।

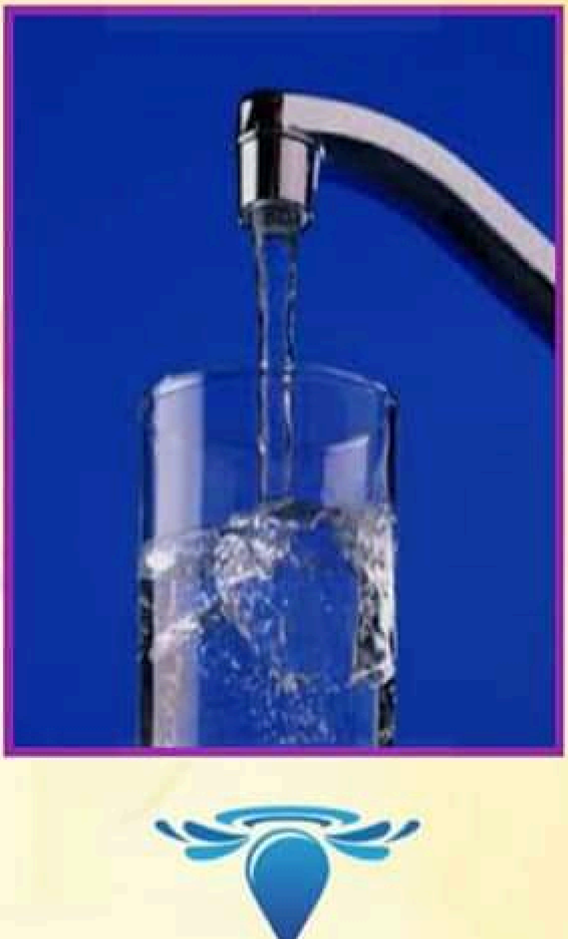

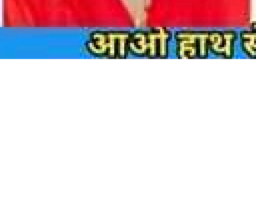

रचना:
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2469

दिनांक 13/08/2021 दिन शुक्रवार

# आज़ादी

सन् 1857 में जो रण छिड़ा था,
सभी वीरों ने ये प्रण लिया था।
आजाद कराना है भारत माँ को,
सबने मिलकर निश्चय किया था।।

आजादी के इस घोर सँघर्ष में,
जाने कितने वीरों ने जान गँवायी।
तब जाकर कहीं आजाद हुये हम,
और देश ने स्वतन्त्रता थी पायी।।

मिली आजादी सन् 1947 में,
तब से आजाद हम कहलाते हैं।
तभी से आज तक 15 अगस्त को,
स्वतन्त्रता दिवस हम मनाते हैं।।

देकर सलामी झण्डे को अपने,
तिरंगा हम सब फहराते हैं।
आजादी की शुभ बेला पर,
गीत खुशियों के हम गाते हैं।।

रचना- निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

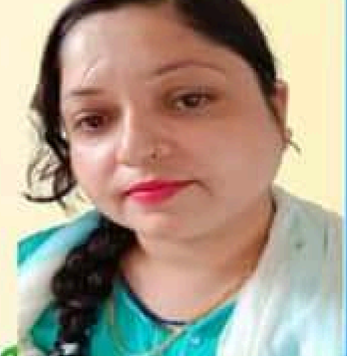

# मेरा विद्यालय, मेरा उपवन

रहे सदा ये हरा-भरा,
मेरा विद्यालय, मेरा उपवन।
जहाँ साथ-साथ में पढ़ें सभी,
रामू, राधा, आबिद, जुम्मन।।

सब पढ़ें और सब बढ़ें यहाँ,
है लक्ष्य हमारा ये पावन।
होगा जिस दिन साकार स्वप्न,
होगा वह दिन भी मनभावन।।

मेरे विद्यालय के उपवन में,
रहते एक साथ हैं कई सुमन।
चम्पा, बेला, चाँदनी, गुड़हल,
खुशबू से महके यह मधुवन।।

हो जग में इसकी पहचान,
मेरे मन की है अन्तिम धुन।
जिस पर सर्वश्व मेरा अर्पण,
रहे सदा महकता यह उपवन।।

रचना
प्रेम प्रकाश वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० पचुरखी
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2471

दिनांक 13.08.2021

दिन शुक्रवार

## जश्ने-आज़ादी

आजादी का जश्न पिचहत्तर,
हम सब मिल मनायेंगे।
देशभक्ति के गीतों से,
इस जग को महकायेंगे।।

इस आजादी के खातिर,
कितने ही कुर्बान हुए।
नमन करें शहादत उनकी,
बेखौफ जो आजाद हुए।।

भगत, राजगुरु और बोस संग,
शेखर को भी याद करें।
रानी झाँसी की कुर्बानी,
इनको हम सब नमन करें।।

सन सत्तावन की चिंगारी,
बनी विशाल इक ज्वाला।
इन लपटों ने झुलसा गोरों को,
सैंतालीस में दिया भगा।।


रचना -
मंजूबाला (प्र० अ०)
रा० प्रा० वि० च्यूरानी,
बाराकोट, चम्पावत


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

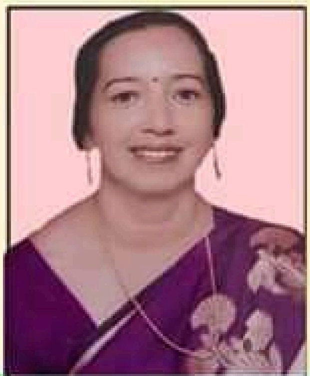

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

**2472**

दिनांक 13.08.2021 | दिन शुक्रवार

## बचपन (भाग-2)

मैं रोयी, माँ ने काम छोड़कर,
मुझको गोद में उठा लिया,
चूम-चूमकर मेरे गीले,
गालों को सुखा दिया।।

आजा बचपन! फिर दे दे,
अपनी निर्मल शान्ति।
व्याकुल व्यथा मिटाने वाली,
वह प्राकृत विश्रान्ति।।

वह भोली मधुर सरलता,
प्यारा जीवन निष्पाप।
क्या फिर आकर मिटा सकेगा,
तू मेरे मन का सन्ताप?

---


रचना
दमयन्ती राणा (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन 2473
दिनांक 13/08/2021 दिन शुक्रवार

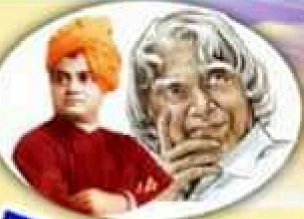

# यादें बचपन की

यादें मधुर वो बचपन की,
बाते नयी लड़कपन की।
कितने मौसम बीत गए,
गयी न यादें बचपन की।।

उड़ती चिड़िया नाचता मोर,
खेल खेलते करते शोर।
न कोई चिन्ता न कोई डर,
जैसे पतंग उड़े बिन डोर।।

बरसे बादल झूमे मन,
झूला झूले नाचे तन।
खूब चली कागज़ की कश्ती,
कितना सुंदर है बचपन।।

करते थे कितनी नादानी,
पानी में चन्दा की कहानी।
दादा-दादी, नाना-नानी,
रोज सुनाते नयी कहानी।।

रचना-
सुनील कुमार (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बीगौर,
सकीट, एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

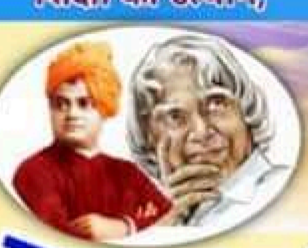

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2474

दिनांक 13-08-2021 दिन शुक्रवार

## चलो सखी हम झूला झूलें

सावन की घन घोर घटा में,
मस्त हवाओं के झोकों में।
दिल झूमे मनवा डोले,
चलो सखी हम झूला झूलें।।

चलो सखी हम झूला झूलें,
गुजरी-बिसरी बातें भूलें।
नभ की ऊँचाइयो को छूलें,
चलो सखी हम झूला झूलें।।

मेले में देखे हैं झूले,
ख़ूब सखी हम हर दिन झूलें।
आज बागों की रौनक में चल री,
आनन्द विभोर होकर झूलें।।

पपीहा की मधुर गूँज को,
कोयल की मीठी धुन को सुन।
मीठी बोली हम सब बोलें,
चलो सखी हम झूला झूलें।।

रचना

अनुपमा जैन (स०अ०)
पू० मा० वि०, मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2475

दिनांक 13.08.2021 दिन शुक्रवार

## बादलों का घर

बादलों के घर में,
एक घर हो मेरा।
देखूँ जहाँ से,
चाँद-तारों का डेरा।।

उमड़-घुमड़ घूमते,
यहाँ से वहाँ।
करते हैं बरसात,
जाने कहाँ।।

बादलों के रथ पर,
होकर सवार।
देखूँ आसमान से,
नदियाँ, झरने, पर्वत, पठार।।

खेलूँ लुक्का-छुपी,
सूरज के साथ।
बना लूँ आशियाना,
बादलों के साथ।।

रचना-
रचना रानी शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय, नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2476

दिनांक 14/08/2021 दिन शनिवार

## समय

जो जाकर फिर ना आता,
वह समय कहलाता।
कल-आज-कल में आता,
वह समय कहलाता।।

जो काल का चक्र घुमाता,
वह समय कहलाता।।
अच्छा-बुरा भी आता,
वह समय कहलाता है।।

जो भूत-भविष्य बताता,
वह समय कहलाता।
जो चाल बदलता जाता,
वह समय कहलाता।।

आशा के पंख लगाता,
वह समय कहलाता।
और आस के पुष्प खिलाता,
वह समय कहलाता।।

---


रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2477

दिनांक 14/08/2021 दिन शनिवार

# अतीत, वर्तमान और भविष्य

[भाग- 1]

याद बहुत आते हैं,
वो बचपन वाले दिन!
गुड्डे-गुड़ियों वाले वो,
पाँच पैसे की कम्पट वाले दिन।।

गर्मी की छुट्टी में,
स्वच्छन्द मस्ती वाले दिन।
कच्चे कैथी और इमली,
अमिया वाले दिन।।

दादी-नानी की कहानी में,
भूतों-परियों वाले दिन।
बारिश में छपा-छपी,
बालू में घर बनाने वाले दिन।।

क्रमशः

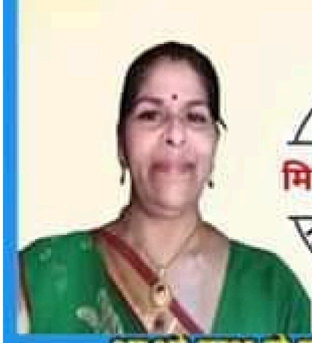

रचना- अर्चना गुप्ता (प्र०अ०)
अं० मा० प्रा० वि० बड़ोखर बुजुर्ग- 1
महुआ, बाँदा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

2478

दिनांक 14.08.2021 दिन शनिवार

# फलों की बात निराली

आम फलों का राजा है,
राम रोज खाता है।
अनार के दाने लाल हैं,
जीवन मेरा खुशहाल है।

सेब रोज खाता हूँ,
सेहत अपनी बनाता हूँ।
नारंगी फल सस्ता है,
खट्टा-मीठा लगता है।।

तरबूज हरा और लाल है,
पानी का भण्डार है।
अमरूद में बीज हजार हैं,
हाजमे का उपचार है।।

सभी फलों की बात निराली,
केला इन सब पे है भारी।
आओ फलों को खाएँ रोज,
सेहत खूब बनाएँ रोज।।

रचना
रीना रानी (स०अ०)
प्रा० वि० सरूरपुर कलां-2
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

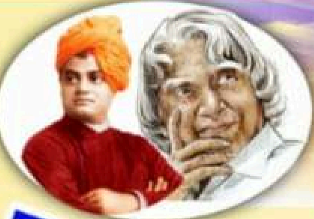

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2479

दिनांक 14/08/2021 दिन शनिवार

## पर्यायवाची चौपाइयाँ

विटप, वृक्ष, तरु, पेड़ कहाये।
सोइ समीर नित शुद्ध बनाये।।
वात, पवन अरु अनिल अनूठी।
वायु रहित जीवन निधि झूठी।।

अनल, हुताशन, अग्नि कहायी।
ज्वाला, जलि सब देय जलायी।।
नीर, अम्बु, जल, जानत भाई।
सलिल सरित धारा बहि आयी।।

भानु, भाष्कर, रवि, सूरज नामा।
दिनकर रथ कब करै विरामा।।
तारापति, शशि, चन्द्र कहावै।
वहि मयंक नित विभा सजावै।।

खद्योत, नखत, नक्षत्र नभ छाये।
कोटिक तारा चमचम भाये।।
अम्बर, गगन, व्योम यह नीला।
नभ विराट अति, अनत सजीला।।


रचना

सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

9458278429

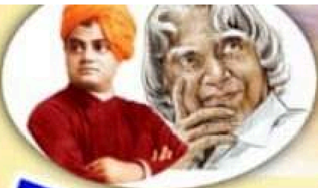

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

**2480**

दिनांक 14-08-2021 दिन शनिवार

## बाल मंशा

हरी सब्जियाँ होती हैं,
शरीर के लिए अच्छी।
मगर मैं क्या करुँ मुझे,
नहीं लगती हैं अच्छी।।

फास्ट फूड लगते हैं,
मुझको बहुत ही प्यारे।
मठ्ठा के आलू उनसे भी,
लगते हैं न्यारे-न्यारे।।

दूध होता है सबसे,
सेहत के लिए अच्छा।
मगर मुझको बिल्कुल,
नहीं लगता है अच्छा।।

लेकिन मम्मी-पापा,
मुझको बहुत मनाते।
नहीं पीता हूँ तो,
जबरदस्ती दूध पिलाते।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना

सार्थक प्रजापति
आयु-9 वर्ष

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

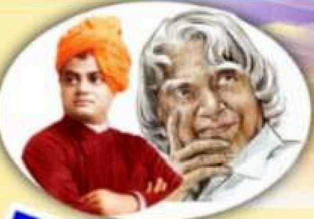

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2481

दिनांक 14-08-2021 दिन शनिवार

# ठाकुर दरियाव सिंह

यू० पी० में जनपद फतेहपुर,
बनी जहाँ खागा तहसील।
खड्ग सिंह ने इसे बसाया,
फैली है जो कइयों मील॥

इन्हीं खड्ग सिंह की सन्तति में,
जन्म लिये ठाकुर दरियाव।
रहा धुरन्धर तन-मन जिनका,
देते थे मूँछों पर ताव॥

आठ जून की पावन तिथि को,
अपनायी स्वतन्त्र सरकार।
किन्तु कमीनों, धोखेबाजों,
गद्दारों से थे लाचार॥

बत्तीस दिन सरकार चलाकर,
कैद हुआ पूरा परिवार।
एक-एक को फाँसी दे दी,
कोटि नमन, वन्दन शत बार॥

रचना- रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर- 2
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

**2482**

दिनांक 15.08.2021 दिन रविवार

## अपना वतन

तर्ज- बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम...

हमें जहाँ से प्यारा है अपना वतन,
बलिदानियों को हम करते नमन।
भारत हमारा प्यारा सारा चमन,
शहीद हुए हैं यहाँ बहादुर ललन।।...

सुन्दर सा मानचित्र इसका निराला,
भारत माता खड़ी जैसे सुरबाला।
भाल हिमालय ऊँचा शोभा देते वन,
प्रकृति ने भेजा हमको जीवन है धन्य।।...

हिलोरें सागर की उठतीं और गिरतीं,
विस्तृत चहुँदिश जल-जीवन को बिखेरतीं।
समुद्री तट हैं अनुपम मोहित जन-जन,
पर्यटक यहाँ आते-जाते पुलकित हो मन।।...

पूर्व-पश्चिम में भी अति सुन्दर प्रदेश हैं,
जिनके निवासियों के अद्भुत गणवेष हैं।
भारत की संस्कृति, सभ्यता है अनुपम,
वीर, बलिदानियों ने लिए यहाँ जनम।।...

रचयिता- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

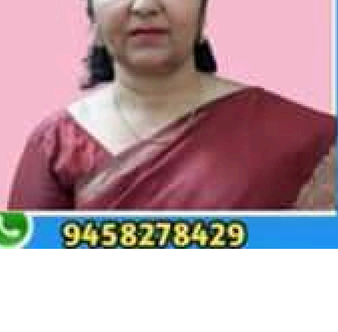

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2483

दिनांक 15-08-2021 दिन रविवार

## दयानन्द सरस्वती

12 फरवरी 1824 टंकारा गुजरात में,
जन्म हुआ समाज सुधारक मूल शंकर का।
माँ यशोदा, पिता करशनजी तिवारी,
हो उठे प्रफुल्लित देख मुख लाल का।।

गुरु विरजानन्द दण्डिश के द्वारा,
आगे जीवन की सीख है पायी।
1857 में स्वतन्त्रता संग्राम में,
भाग ले अंग्रेजों को धूल चटायी।।

कर्म सिद्धान्त, ब्रह्मचर्य और सन्यास से,
दर्शन का अपना स्तम्भ बनाया।
1876 में स्वराज का नारा दिया,
जिसे लोकमान्य ने आगे बढ़ाया।।

30 अक्टूबर 1883 राजस्थान में,
अपने ही बने बड़े विनाशकारी।
जहर दिया उन्हें अपनों ने ही,
छीन लिया एक महान ब्रह्मचारी।।

रचना:- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
2484
दिनांक
15/08/2021
दिन
रविवार
भारत के वीर महान
अपने देश भारत की, महिमा यह सुहानी है।
माँ भारती की रक्षा की, सबने मन में ठानी है।।
सन् सत्तावन की लड़ायी,
गोरे भुला पाये ना।
मर्दानी लक्ष्मीबाई की,
शान कभी जाए ना।।
झलकारी की शहादत का, कोई नहीं सानी है।
अपने देश भारत की, महिमा यह सुहानी है।।
सुभाष, भगत सिंह, आजाद,
तिलक को मत भुलाना।
बापू के सद्विचारों और,
एकता को अपनाना।।
नमन करें बारम्बार, वीरों की यह कहानी है।
अपने देश भारत की, महिमा यह सुहानी है।।
रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा
शिक्षा का उत्थान,
मिशन
संवाद
शिक्षण
शिक्षक का सम्मान।
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2485

दिनांक 15/08/2021 दिन रविवार

## स्वतन्त्रता दिवस

हमें गर्व उस भारत भूमि पर,
जिसमें हमने जन्म लिया।
शत-शत नमन, शहीद जवानों को,
जिन्होंने इसे स्वतन्त्र किया।।

गर्व से हम सब कहते हैं कि,
हम सब भारतवासी हैं।
गौरवमयी गाथाओं वाले,
स्वतन्त्र भारत के निवासी हैं।।

पन्द्रह अगस्त उन्नीस सौ सैंतालिस की,
शुभ बेला जब आयी थी।
तोड़ गुलामी की जंजीरें,
हमने स्वतन्त्रता पायी थी।।

स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर,
तिरंगा हम फहराते हैं।
राष्ट्रध्वज को सलामी देकर,
राष्ट्रगान हम गाते हैं।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- नौरीन सआदत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रिसौरा
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

**मिशन शिक्षण संवाद**

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

**2486**

दिनांक 15/08/2021 दिन रविवार

## महर्षि अरविन्द

15 अगस्त 1872 को जन्मे थे,
पिता के० डी० घोष चिकित्सक थे।
माता गृहणी स्वर्णलता देवी थी,
पत्नी सुशीला मृणालिनी देवी थी।।

वेद, उपनिषद पर टीकाएँ लिखी,
योग साधना पर ग्रन्थ लिखे।
चेतना विकास पर भी लिखा,
धरती पर जीवन विकास भी लिखा।।

अरविन्द स्वदेशी के प्रवर्तक थे,
सशस्त्र क्रान्ति के उद्घोषक थे।
राष्ट्रीय कालेज के आचार्य थे,
सर्वस्व त्याग के लिए तैयार थे।।

स्वदेशी आन्दोलन प्रारम्भ किया,
'वन्दे मातरम' का प्रकाशन किया।
विरोधाभासों भरा जीवन जिया,
भविष्यवाणियों से अचम्भित किया ।।


रचना-
अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा प्रथम
महुआ, बाँदा


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।


9458278429

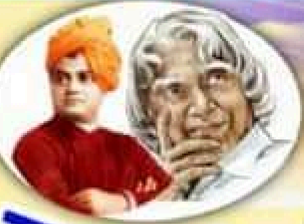

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2487

दिनांक 15/08/2021 दिन रविवार

# याद करें कुर्बानी

खुली हवा में साँस ले रहे,
वर्ष पचहत्तर आजादी के।
जानें देकर वीर सो गए,
लाल अमर भारत माई के।।

कि नरम दल से काम चला ना,
पड़ी जरूरत बना गरम दल।
अपनी-अपनी निभा भूमिका,
कर दी साफ जहाँ से दल-दल।।

भारत के सिंहों की कहानी,
जो कितनी यादें छोड़ चले।
जब जाते-जाते हम सबको,
एकता सूत्र में पिरो चले।।

कि याद करें कुर्बानी उनकी,
कुछ भरकर गहरी साँसों से।
श्रद्धा सुमन करें अर्पित हम,
सच्चे तन-मन नम आँखों से।।

रचना-
ऋषि कुमार दीक्षित (स०अ०)
प्रा० वि० भटियार,
निधौली कलाँ, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

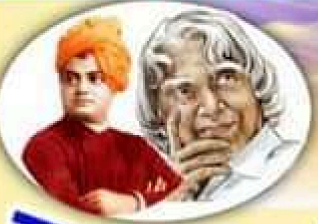

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2488

दिनांक 15.08.2021 दिन रविवार

## राष्ट्रप्रेम का पर्व

स्वतन्त्रता दिवस राष्ट्रप्रेम का पर्व,
हम सब उत्साहपूर्वक मनाते हैं।
लेकर शपथ आजादी की,
हम शान से तिरंगा लहराते हैं।।

करते जन-गण-मन का गान,
जय हिन्द का उद्घोष लगाते है।
दिलों में सींचकर राष्ट्रप्रेम के बीज,
प्रेम, सौहार्द से स्वतन्त्रता दिवस मनाते हैं।।

गाते गाथा शूरवीरों, योद्धाओं की,
वीर शहीदों को नमन करते हैं।
झुकाकर शीश, चढ़ाकर पुष्प,
श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।।

झूमते गाते हैं सब भारतवासी,
हर्षोल्लास से आजादी का जश्न मनाते हैं।
जात-पात, ऊँच-नीच को छोडकर,
एक-दूजे को प्रेम से गले लगाते हैं।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2489

दिनांक 15 अगस्त 2021 दिन रविवार

## मेरे देश तुझे सलाम

देश मेरे तू कितना प्यारा,
है रुप तेरा सबसे न्यारा।
तुझ में बसती मेरी जान है,
तू आन, बान और शान है।।

शहीदों तुम्हें करते हम प्रणाम,
स्मृति रहे तुम्हारी सुबह-शाम।
आजादी का सच्चा सुख दिया,
देश को खुशियों से भर दिया।।

आजादी का चलो जश्न मनायें,
शहीदों की सुनें गौरव गाथायें।
झाँसी की रानी सी हो वीरता,
और वीर भगत सी निर्भीकता।।

प्रगति करे मेरा देश सदा,
रब से करते हैं यही दुआ।
मरते दम तक तेरे साथ रहे,
तिरंगे तेरा गौरव अमर बने।।

रचना-
सुमन शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- गढ़ी माली
छाता, मथुरा

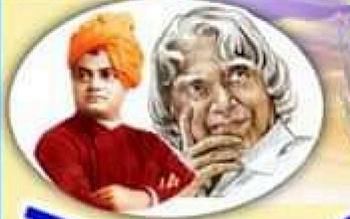

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2490

दिनांक 15.08.2021 दिन रविवार

# ऐ मेरे प्यारे वतन !

ऐ मेरे वतन, प्यारे वतन,
तुझसे हैं हम, हमारे वतन,
तेरे लिए है जान हाजिर,
तुझको हैं सौ-सौ नमन।

गर्व से कहते हैं हम,
भारत की सन्तान हैं हम,
शान से खड़ा हिमालय,
जहाँ छू रहा है गगन।
तुझको हैं....

अलग अलग हैं लोग यहाँ,
अलग अलग हैं बोलियाँ,
पहचान भले हो जुदा पर,
इसी मिट्टी के हैं सबके तन-मन।
तुझको हैं...

हौंसला बढ़ जाता मेरा,
नाम जब भी आता तेरा,
अमर हो जाते हैं वो,
जो पाते हैं तिरंगा कफ़न।
तुझको हैं....

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन 2491

दिनांक 15/08/2021 दिन रविवार

## देश हमारा-सबसे प्यारा

देश हमारा सबसे प्यारा,
मेरी आँखों का यह तारा।
भिन्न-भिन्न बोली, रंग-रूप,
सुन्दर छटा है बड़ी अनूप।।

खुशबू माटी की मतवाली,
खेतों में फैली हरियाली।।
नदियों में बहती अमृतधारा,
ताज हिमालय सबसे न्यारा।।

राम, रहीम, जोसफ, गुरप्रीत,
इक-दूजे के हैं ये मीत।
भिन्न-भिन्न त्योहार हमारे,
मनाते यह मिल कर सारे।।

भारत माँ के वीर सपूत,
सीमा पर ताने बन्दूक।
सीने पर यह गोली खाते,
मातृभूमि पर न्योछावर हो जाते।।

रचना - प्रतिभा यादव (स0अ0)
प्राथमिक विद्यालय चौरादेव,
पुवाँरका, सहारनपुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2492

दिनांक 15/08/2021 दिन रविवार

## वन्दे मातरम् गाएँ

आजादी का जश्न पछत्तरवाँ,
हम आज मनाएँ।
केसरिया झण्डे के नीचे,
वन्दे मातरम् गाएँ।।

मिट गये जो थे वीर देश पर,
दे खुद की कुर्बानी।
चाहें हों आजाद, भगत सिंह,
या फिर लक्ष्मी रानी।।

याद करें हम उन वीरों को,
जिनकी बदौलत ये दिन आया।
त्याग दिया हर सुख और निज को,
देश की रक्षा में है मिटाया।।

रंग लहू का देकर अपने,
सींच गये भारत की धरती।
वीर शहीदों की स्मृति में,
हाथ जोड़ मैं स्तुति करती।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# दैनिक सृजन काव्यांजलि 2493

दिनांक 15/08/2021 दिन रविवार

## मेरा भारत महान

आ गया लो स्वतन्त्रता दिवस,
देश के इतिहास का स्वर्ण दिवस।
चलो खुशी से तिरंगा फहराते हैं,
और राष्ट्रगान मिल कर गाते हैं।।

देश के वीरों ने शहादत देकर भी,
बचाया देश का सम्मान और मान।
शत्-शत् नमन है देश की माटी को,
मेरा देश भारत है सबसे महान।।

इस पे है समर्पित तन-मन,
और समर्पित यह जान है।
सबसे सुन्दर सबसे प्यारा,
मेरा ये देश हिन्दुस्तान है।।

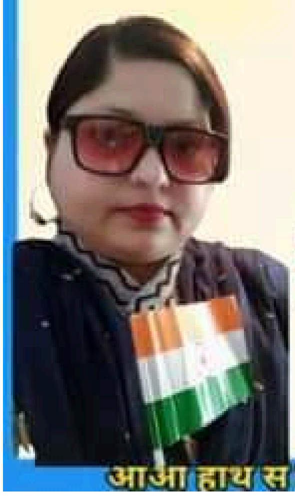

रचना:- निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

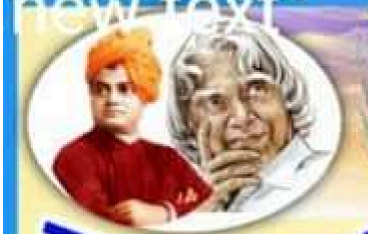

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2494

दिनांक 15.08.2021 दिन रविवार

## स्वतंत्रता दिवस

आओ स्वतन्त्रता दिवस मनाएँ,
वीरों की गाथाएँ हम सब गाएँ,
देश प्रेम को हृदय में जगाकर,
आजादी का जश्न मनाए।।

सब मिलकर झूमे और गाएँ,
शान से झण्डा हम फहराएँ।
राष्ट्रगान सब मिलकर गाएँ,
आजादी का जश्न मनाएँ।।

शहीद हमारे अमर रहे सदा,
उनका बलिदान ना जाया जाए।
देश हमारा करे निरन्तर प्रगति,
हम-सब अपना कर्तव्य निभाएँ।।

जन-जन में बहे प्रेम की भावना,
राष्ट्रीय गान जब गाया जाए।
देश प्रेम हो सबके मन में,
हम आजादी के रंग में रंग जाए।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

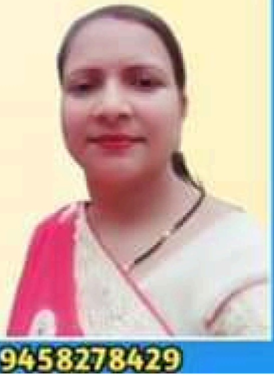

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2495

दिनांक 15-8-2021 दिन इतवार

## मेरी शान तिरंगा

वतन पर मर मिटेंगे हम,
वतन की शान के खातिर।
तिरंगा झुक न पाएगा,
दुश्मन कितना हो शातिर।।

तिरंगा आन है अपनी,
इस पर जान लूटा देंगे।
आजादी के खातिर हम,
हम अपना सिर कटा देंगे।।

कफ़न हम बाँध कर चलते,
वतन में जान बस्ती है,
यहाँ हर दिल में देखो,
सरफ़रोशी झलकती है।।

जो दुश्मन सिर उठाएगा,
तो उसको भगाना है।
सिर अपने कटा कर,
हमें तिरंगा फहराना है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

2496

दिनांक 15.08.2021 दिन रविवार

## भारत की पहचान

तीन रंग का ध्वज निराला,
हम सबका अभिमान।
फर-फर-फर फहराये नभ में,
भारत की पहचान।।

केसरिया रंग कहता हमसे,
वीर साहसी बनना।
मार्ग शान्ति का अपनाओ,
श्वेत रंग का कहना।।

हरियाली खुशहाली झलके,
हरा रंग है शान।
चक्र सिखाये आगे बढ़ना,
और समय का ध्यान।।

फरफर फर फहराये नभ में,
भारत की पहचान।
तीन रंग का ध्वज निराला
हम सबका अभिमान।।


रचना-डा० मीरा भारद्वाज
(स०अ०)
रा० प्रा० वि० सलेमपुर-1
बहादराबाद, हरिद्वार


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन 2497

दिनांक 15-08-2021

दिन रविवार

# स्वतन्त्रता दिवस

15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ,
भारत में एक नए युग का आगाज हुआ।
स्वाधीनता सैनानियों के अथक प्रयास,
आखिरकार अपने देश में अपना राज हुआ।।

अपना ध्वज अपना संविधान बना,
जनमानस का ह्रदय पुलकित हुआ।
वर्षों से परतन्त्रता की बेड़ियों में जकड़ा,
आजाद भारत में नवजीवन संचार हुआ।।

महान सपूतों ने जीवन समर्पित किया,
पीढ़ियों को नव युग का उपहार दिया।
प्रतिवर्ष 15 अगस्त को मना राष्ट्रीय त्योहार,
महान विभूतियों को याद कर सम्मान दिया।।

हम देश वासी अमृत उत्सव मना रहे हैं,
शहीदों की कुर्बानियां याद कर रहे हैं।
75 वां स्वतन्त्रता दिवस नई ऊर्जा लाया,
जीवन में हम सबने अमृत पा लिया।।

रचना-
वन्दना जोशी (स०अ०)
रा० क० आ० उ० प्रा० वि० पऊ
ब्लॉक - लोहाघाट
जिला - चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2498

दिनांक 15/08/2021 दिन रविवार

## मेरा देश

मेरा देश है सबसे न्यारा,
मुझे है यह जान से प्यारा।
इसकी रक्षा करने की है ठानी,
चाहे देनी पड़े मुझे कुर्बानी।।

कितने देशभक्त शहीद हुए हैं,
इसकी आजादी के लिए।
तन-मन-धन सब अर्पित किया,
भारत माँ की रक्षा के लिए।।

मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
कु० मितिषा श्रीवास्तव (छात्रा)
कक्षा- 4
वि० नि० मे० पब्लिक स्कूल
बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन 2499

दिनांक 15/08/2021 दिन रविवार

## हम सब एक हैं

आओ तिरंगा हम लहराएँ,
गीत आजादी के गुनगुनाएँ।
शहीद हुए जो हमारे लिये,
नमन कर उनको शीश झुकाएँ।।

क्या मिलेगा अदावत- तक़रार से,
ज़िन्दगी गुलज़ार है बस प्यार से।
राष्ट्रहित, सम्मान है सर्वोपरि,
करें ख़ुद को रोशन योगदान से।।

मेरा- तुम्हारा कुछ भी नहीं है,
सब अपना और हमारा है।
धरा हो हरा- भरा कर्तव्य हमारा है,
बने ज़िम्मेदार यही उद्देश्य हमारा है।।

टूटी गुलामी की जंज़ीरें,
मिली है आजादी की सांसे।
हम सब एक हैं, एक ही रहेंगे,
यही हमारा प्यारा नारा है।।

रचना: रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन 2500

दिनांक 15-08-2021 दिन रविवार

## वीराङ्गना रानी लक्ष्मीबाई

चलो आज हम फिर बन जायें,
मर्दानी वह झाँसी वाली।
जिसने रण में शौर्य दिखाया,
दुश्मन दल को मार भगाया।।

मनु से बनी वह लक्ष्मीबाई,
झाँसी सी की रानी कहलाई।
मैं भी उन जैसी बन जाऊँ,
साहस, शौर्य की प्रतिमूर्ति कहाऊँ।।

शत्रु को हरदम ललकारा,
सदा बार सीने पर खाया।
मरकर भी वह अमर हो गयी,
स्वतन्त्रता के बीज बो गयी।।

नारी को अबला कहने वालो,
होश में आओ ओ! गद्दारो।
मैं चण्डी बन शोणित पी जाऊँगी,
फिरंगी तेरे हाथ नहीं आऊँगी।।

रचना
शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

संकलन

# मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

## टीम काव्यांजलि सृजन